

"G.S.अकादमी"

Committed To Your Success....

JOIN FREE **LIVE** CLASSES



Committed To Your Success....

"G.S.अकादमी"

Committed To Your Success....

IAS/PCS ACADEMY

www.gsacademycivil.com



 **YouTube**

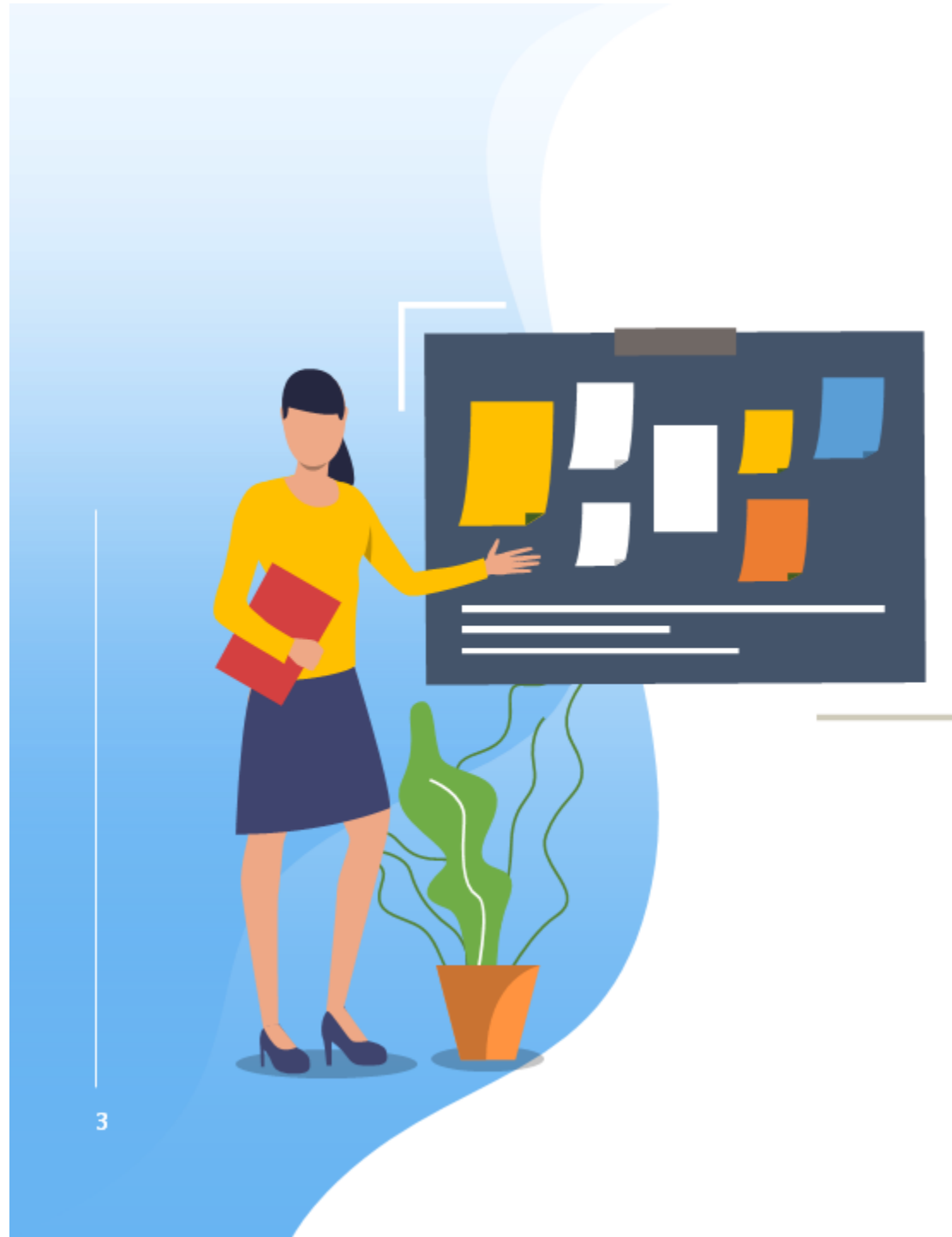
@gsacademycivil

 +91-9473893577  +91-8052780047

"G.S. अकादमी"

Committed To Your Success....

JOIN FREE **LIVE** CLASSES



3

SPECIAL CLASSES

Follow on Telegram

PDF

<https://t.me/gsacademycivil>



@gsacademycivil

+91-9473893577 +91-8052780047

"G.S. अकादमी"

Committed To Your Success....

JOIN FREE **LIVE** CLASSES

About us:



- ✓ 100% Placement
- ✓ Study Material at home
- ✓ India`s no.1 faculties
- ✓ Live Free Classes



 **YouTube**

@gsacademycivil

 +91-9473893577  +91-8052780047

"G.S.अकादमी"

Committed To Your Success....

JOIN FREE **LIVE** CLASSES

RO/ARO - 2021

Ancient History	5 Classes
Medieval	3 Classes
Modern History	7 Classes
Economics	8 Classes
Polity	10 Classes
Geography	10 Classes
Environment	5 Classes

GS SPECIAL NEW BATCH

Per Day 30 Practise Questions

अध्यायवार विभाजित ✓ **UTTER PRADESH** के साथ



+91-9473893577

+91-8052780047

**499
ONLY**



@gsacademycivil

"G.S.अकादमी"

YouTube

@gsacademycivil

+91-9473893577 +91-8052780047

"G.S.अकादमी"

Committed To Your Success....

JOIN FREE **LIVE** CLASSES

PCS Pre - 2021

Ancient History	5 Classes
Medieval	3 Classes
Modern History	7 Classes
Economics	8 Classes
Polity	10 Classes
Geography	10 Classes
Environment	5 Classes

GS SPECIAL NEW BATCH

Per Day 30 Practise Questions

अध्यायवार विभाजित ✓ UTTER PRADESH के साथ



+91-9473893577

**499
ONLY**



+91-8052780047



@gsacademycivil

"G.S.अकादमी"

YouTube

@gsacademycivil



+91-9473893577



+91-8052780047

"G.S.अकादमी"

Committed To Your Success....

JOIN FREE **LIVE** CLASSES

"G.S.अकादमी"

TGT / PGT

Morning & Evening

499 /- Only

इतिहास

नया बैच प्रारम्भ

"निर्माण"

BATCH



LIVE CLASSES

@GSACADEMYCIVIL

+91-9473893577

+91-8052780047

YouTube

@gsacademycivil

+91-9473893577 +91-8052780047

"G.S.अकादमी"

Committed To Your Success....

JOIN FREE LIVE CLASSES

UPSSSC-PET 2021

45 DAY'S

499 ONLY

रणनीति बैंच

- Live + Record class
- PDF Notes
- Doubt Session
- Live Question & Content

+91-9473893577

+91-8052780047

GET IT ON
Google Play



@gsacademycivil

"G.S.अकादमी"



YouTube

@gsacademycivil

+91-9473893577 +91-8052780047



Q-1

कोपेन के जलवायु प्रकारों के वर्गीकरण के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

1. छोटे अक्षर 'f' से प्रदर्शित गौण/उप प्रकार का तात्पर्य वर्ष पर्यन्त वर्षा से है।
 2. छोटे अक्षर 's' से प्रदर्शित गौण/उप प्रकार का तात्पर्य शुष्क ग्रीष्मकाल से है।
- उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं ?
- (a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) ~~दोनों~~ 1 तथा 2 (d) न ही 1 तथा न ही 2

✓ A/B



Dr. B. K. Dubey
Assistant Professor Geography



उत्तर—(c)

⇒ व्याख्या—'f'—सालोंभर वर्षा

's'—शीत ऋतु में वर्षा एवं ग्रीष्म ऋतु शुष्क



Dr. B. K. Dubey
Assistant Professor Geography



Q-2

निम्नलिखित पर विचार कीजिए—

1. प्रबल पवनें

2. दीर्घ शीत-रात्रियाँ

3. मेघमय आकाश

4. शीत शुष्क वायु

तापक्रम व्युत्क्रमण की रचना के लिए उपरोक्त में से कौन-सी आदर्श दशाएँ हैं ?

(a) 1, 2 तथा 3

(b) 3 तथा 4

(c) 1, 2 तथा 4

(d) केवल 2 तथा 4



Dr. B. K. Dubey
Assistant Professor Geography



उत्तर—(d)

☞ व्याख्या—तापमान की विलोमता के लिए आदर्श दशाएँ—

(i) शीतकालीन लम्बी रातें

(ii) स्वच्छ एवं मेघ रहित आकाश



Dr. B. K. Dubey
Assistant Professor Geography



Q-3

दिये गए कथनों को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिये गए कूट में से सही उत्तर चुनें—

कथन (A)—बंगाल की खाड़ी पर चक्रवातों की विशिष्टता दक्षिणावर्त परिसंचरण है।

कारण (R)—उनका परिसंचरण दाब प्रवणता तथा कोरिओलिस बल है।

- (a) A और R दोनों सही हैं, और R, A का सही स्पष्टीकरण है
(b) A और R दोनों सही हैं, और R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है
(c) A सही है, परन्तु R गलत है
(d) A गलत है, परन्तु R सही है



Dr. B. K. Dubey
Assistant Professor Geography



उत्तर—(d)

➔ व्याख्या—उत्तरी गोलार्द्ध में चक्रवातों में वायु के चलने की दिशा घड़ी के सुइयों के विपरीत तथा दक्षिणी गोलार्द्ध में घड़ी की सुइयों की दिशा में होती है। अतः बंगाल की खाड़ी में चक्रवातों की विशिष्टता वामावर्त परिसंचरण है।



Dr. B. K. Dubey
Assistant Professor Geography



Q-4

वर्षण की संघटन-संलयन प्रक्रिया किस पर लागू होती है ?

(a) सिरस

(b) मेघ जो हिमीकरण तल के ऊपर विस्तृत हैं

~~(c) मेघ जो हिमीकरण तल के ऊपर विस्तृत नहीं हैं~~

(d) सभी प्रकार के मेघ



Dr. B. K. Dubey



उत्तर—(c)

➔ व्याख्या—वर्षण की संघटन-संलयन प्रक्रिया का प्रतिपादन ई० जी० बोवेन द्वारा किया गया है। यह सिद्धान्त उन मेघों पर लागू होता है जिनका विस्तार हिम स्तर तक नहीं होता है।



Dr. B. K. Dubey
Assistant Professor Geography



Q-5

निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

1. चक्रवातों तथा प्रतिचक्रवातों द्वारा पछुआ पवनों की सामान्य विशेषताएँ व्यापक रूप में परिवर्तित हो जाती हैं।
2. मध्य अक्षांशों में पछुआ पवनें सर्वाधिक प्रभावी पवन तत्र हैं।
3. दक्षिणी गोलार्द्ध में पछुआ पवनें अधिक तीक्ष्ण होती हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं ?

(a) 1 तथा 2

(b) केवल 2

(c) 1 तथा 3

(d) 1, 2 तथा 3



Dr. B. K. Dubey
Assistant Professor Geography



उत्तर—(d)

➔ व्याख्या—पछुआ पवन की पेटी में चक्रवात पश्चिम से पूर्व की ओर चलते रहते हैं, जिसके कारण पवनों की दिशा एवं उनकी प्रबलता में परिवर्तन होता रहता है। पछुआ पवनें मध्य अक्षांशों



Dr. B. K. Dubey
Assistant Professor Geography



Q-6

निम्नलिखित में से किसके कारण उष्णकटिबन्धीय चक्रवात
भूमध्यरेखा के निकट नहीं आते हैं ? ✕

- (a) क्षीण कोरियोलिस बल
(c) अत्यधिक आर्द्रता

- (b) हल्की तथा परिवर्ती पवनें
(d) संवहनी क्रिया



Dr. B. K. Dubey
Assistant Professor Geography



... -(a)

➔ व्याख्या—कोरियोलिस बल का मान विषुवतरेखा के निकट क्षीण तथा ध्रुवों पर अधिकतम होता है। क्षीण कोरियोलिस बल के कारण भूमध्यरेखा के निकट पवनें चक्राकार रूप से प्रवाहित नहीं हो पाती हैं, अतः यहाँ उष्ण कटिबन्धीय चक्रवात की उत्पत्ति नहीं होती है।



Dr. B. K. Dubey
Assistant Professor Geography



Q-7

कथन (A)—पक्षाभ मेघ में मुख्यतः हिमकण अन्तर्विष्ट होते हैं।

कारण (R)—पक्षाभ मेघ बहुत अधिक तुंगता पर विद्यमान होते हैं।

कूट :

- (a) A और R दोनों सही हैं, और R,A का सही स्पष्टीकरण है.
- (b) A और R दोनों सही हैं, और R,A का सही स्पष्टीकरण नहीं है
- (c) A सही है, परन्तु R गलत है
- (d) A गलत है, परन्तु R सही है



Dr. B. K. Dubey
Assistant Professor Geography



उत्तर—(a)

➔ व्याख्या—पक्षाभ मेघ बहुत अधिक ऊँचाई पर पाए जाते हैं, जहाँ तापमान काफी कम होता है, अतः इनका निर्माण हिमकणों द्वारा होता है। इनका रंग सफेद तथा आकृति पक्षी के पंखों के समान होती है।
इनसे वर्षा नहीं होती है।

X



Dr. B. K. Dubey
Assistant Professor Geography



Q-8

वायुमण्डल में तापक्रम के रुद्धोष्म (Adiabatic) परिवर्तन के क्या कारण हैं ?

- (a) संवहन (Convection) तथा अभिवहन (Advection)
- (b) संघनन (Condensation) की गुप्त ऊष्मा
- (c) वायु का प्रसार तथा सम्पीडन (Compression)
- (d) वायुमण्डल द्वारा सौर विकिरण का आंशिक अवशोषण (Absorption)



Dr. B. K. Dubey
Assistant Professor Geography



उत्तर—(c)

☞ **व्याख्या**—जब किसी वस्तु में ऐसा परिवर्तन होता है कि वह वस्तु न तो बाहरी माध्यम को ऊष्मा दे एवं न ही उससे ऊष्मा ले, परन्तु उसका ताप बदल जाए, तब ऐसे परिवर्तन को रुद्धोष्म परिवर्तन कहा जाता है। जब वायु गर्म होकर ऊपर उठती है, तो दबाव में कमी के कारण उसके आयतन में वृद्धि होती है। जब कोई वस्तु फैलती है, तब उसे ऊष्मा की आवश्यकता पड़ती है। यदि अपेक्षित ऊष्मा बाहर से नहीं मिल पाती है, तो उस वस्तु को अपनी आन्तरिक ऊष्मा को व्यय करना पड़ता है, जिससे वह ठण्डी होने लगती है। इसी प्रकार जब वायु नीचे उतरती है, तो अधिक दबाव के कारण सम्पीडित होती है एवं उसके तापमान में वृद्धि होती है।



Dr. B. K. Dubey
Assistant Professor Geography



Q-9

Committed To Your Success...

- निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है ?
- (a) शीत ऋतु में जेट प्रवाह सर्वाधिक विकसित होते हैं
 - (b) जेट-प्रवाह प्रायः दोलन विकसित करते हैं
 - (c) जेट-प्रवाह हमारे धरातलीय मौसम को अत्यधिक प्रभावित करते हैं
 - (d) उपरोक्त सभी जेट प्रवाह के सम्बन्ध में सही हैं



Dr. B. K. Dubey
Assistant Professor Geography



उत्तर—(d)

- ☞ व्याख्या—जेट पवनें क्षोभमण्डल के ऊपरी परत में पश्चिम से पूर्व की ओर अत्यन्त तीव्र गति से प्रवाहित होती हैं। ये पवनें सीधी रेखा में नहीं बल्कि लहरदार मार्ग में विसर्पण करती हुई प्रवाहित होती हैं। इन पवन धाराओं का वायु वेग मौसम के अनुसार बदलता रहता है।



Dr. B. K. Dubey
Assistant Professor Geography



Q-10

निम्नलिखित क्षेत्रीय दाब-कटिबन्धों का सही अनुक्रम क्या है ?

1. उपध्रुवीय निम्न
2. विषुवतीय निम्न
3. ध्रुवीय उच्च
4. उपोष्ण उच्च



नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए—

(a) 2, 3, 1, 4

(b) 1, 4, 2, 3

~~(c) 2, 4, 1, 3~~

(d) 1, 3, 2, 4



Dr. B. K. Dubey
Assistant Professor Geography



(C)

➔ व्याख्या—विषुवतीय निम्न दाब एवं ध्रुवीय उच्च दाब का निर्माण तापीय कारणों से तथा उपध्रुवीय निम्न एवं उपोष्ण उच्च दाब का निर्माण गतिक कारणों से होता है।



Dr. B. K. Dubey
Assistant Professor Geography



Q-11

- तापक्रम सामान्यतः ध्रुवों की ओर कम होता है क्योंकि—
- (a) वायु गति सामान्यतः विषुवत रेखा की ओर होती है
 - (b) ठण्डी ध्रुवीय वायु राशि भू-पृष्ठीय तापन का निरोधक होती है
 - (c) ठण्डे धरातल, गर्म धरातल की तरह शीघ्रता से सौर ऊर्जा ग्रहण नहीं करते
 - (d) ध्रुवीय प्रदेशों की ओर बढ़ने पर पृथ्वी के पृष्ठ पर प्रति इकाई क्षेत्र में सौर ऊर्जा प्रगामीयतः कम प्राप्त होती है



Dr. B. K. Dubey
Assistant Professor Geography



उत्तर—(d)

➔ व्याख्या—विषुवत रेखा से ध्रुवों की ओर जाने पर सूर्य की किरणें तिरछी होती जाती हैं। ये तिरछी किरणें अधिक क्षेत्र पर फैल जाती हैं जिससे प्रति इकाई क्षेत्र पर सौर ऊर्जा की मात्रा कम हो जाती है।



Dr. B. K. Dubey
Assistant Professor Geography



Q-12

निम्नलिखित में से कौन-से ध्रुवीय महाद्वीपीय वायु संहति के उद्गम क्षेत्र हैं ?

~~(a) उत्तरी यूरेशिया~~

(b) ऑस्ट्रेलिया ✗

(c) उत्तरी अटलाण्टिक ✗

~~(d) अण्टार्कटिका~~

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए—

(a) 1 तथा 2

(b) 2 तथा 3

~~(c) 1 तथा 4~~

(d) 2 तथा 4



Dr. B. K. Dubey
Assistant Professor Geography



उत्तर—(c)

➔ व्याख्या—उत्तरी यूरोशिया अण्टार्कटिका ठण्डी महाद्वीपीय वायु राशि के स्रोत क्षेत्र हैं, जबकि ऑस्ट्रेलिया गर्म महाद्वीपीय वायु राशि तथा उत्तरी अटलाण्टिक ठण्डी महासागरीय वायु राशि का स्रोत क्षेत्र है।



Dr. B. K. Dubey
Assistant Professor Geography



Q-13

हैडली सेल में आरोही पवन पायी जाती है—

(a) उपोष्ण उच्च दाब कटिबन्ध में

(b) व्यापारिक पवन में

(c) पछुआ हवाओं में

~~(d) अन्तः उष्ण कटिबन्धीय अभिसरण क्षेत्र में (ITCZ)~~



Dr. B. K. Dubey



-(d)

➔ **व्याख्या**—हैडली सेल में वायु विषुवत रेखा के निकट (ITCZ) में ऊपर उठती है एवं ऊपर उठकर ध्रुवों की ओर प्रवाहित होती है। यही वायु उपोष्ण उच्च दाब के क्षेत्र में नीचे उतरती है।



Q-14

. निम्नलिखित में से कौन-सा एक कथन सही है ?

प्रभञ्जन (हरीकेन)

(a) विषुवत् रेखा पर बनते हैं

(b) टॉरनेडो के समान बड़े नहीं होते

(c) गर्म महासागरीय क्षेत्रों के ऊपर विकसित होते हैं

(d) जब धरातल के ऊपर आते हैं, तब उनकी तीव्र होने की प्रवृत्ति होती है



Dr. B. K. Dubey
Assistant Professor Geography



उत्तर—(c)

☞ व्याख्या—हरीकेन एक प्रकार का उष्ण कटिबन्धीय चक्रवात है, जो गर्म महासागरों पर विकसित होता है। कोरिओलिस बल के अभाव के कारण ये विषुवत् रेखा पर विकसित नहीं होते हैं।



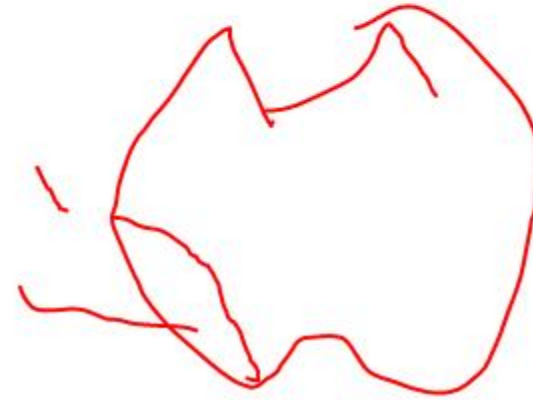
Dr. B. K. Dubey
Assistant Professor Geography



Q-15

निम्नलिखित में से किस प्रदेश की जलवायु भूमध्यसागरीय जैसी है?

- ~~(a) दक्षिणी अफ्रीका का केपटाउन प्रदेश~~
- ~~(b) उत्तरी अमेरिका का वृहत् मैदान~~
- ~~(c) उत्तर-पूर्वी ऑस्ट्रेलिया~~
- ~~(d) दक्षिणी अल्जीरिया~~



Dr. B. K. Dubey
Assistant Professor Geography



उत्तर—(a)

➔ व्याख्या—भूमध्यसागरीय जलवायु 30° से 45° अक्षांशों के बीच महाद्वीपों के पश्चिमी तटीय क्षेत्रों में पाई जाती है।



Dr. B. K. Dubey
Assistant Professor Geography



Q-16

सूची-1 (मेघ) को सूची-II (लक्षण) के साथ सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए—

सूची-I
(मेघ)

सूची-II
(लक्षण)

- | | |
|-------------|-------------------|
| A. सिरस | 1. वर्षा कारक |
| B. स्ट्रेटस | 2. पंखी बनावट |
| C. निम्बस | 3. लम्बवत् वृद्धि |
| D. क्यूमुलस | 4. क्षैतिज फैलाव |

कूट :

	A	B	C	D
(a)	2	1	4	3
(b)	3	4	1	2
(c)	2	4	1	3
(d)	3	1	4	2



Dr. B. K. Dubey
Assistant Professor Geography



उत्तर—(c)

→ व्याख्या— निम्बस मेघ वर्षाकारी होते हैं। क्यूमुलस मेघ लम्बे रूप में होते हैं। सिरस मेघ की बनावट पंख के समान होती है, इनका निर्माण हिम कणों से होता है।



Dr. B. K. Dubey
Assistant Professor Geography



Q-17

सूची-I (मेघों के प्रकार) को सूची-II (बनने की क्रियाविधि) के साथ सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए—

सूची-I
(मेघों के प्रकार)

- A. संवहनी मेघ
- B. परतीय मेघ
- C. पर्वतीय मेघ
- D. फनल मेघ

सूची-II
(बनने की क्रियाविधि)

1. स्थिर वायु का प्रणोदित उत्थापन
2. वायुदाब में द्रुत स्थानीय कमी के कारण रुद्धोष्म प्रसार एवं शीतलीकरण
3. प्रानुकूलित अस्थिर पर्यावरण में उष्ण एवं उत्प्लावित वायु समूह का स्थानीय आरोहण
4. वायु का प्रणोदित उत्थापन जैसे ही वह पर्वतों या पहाड़ियों के ऊपर से गुजरती है

कूट :

	A	B	C	D
(a)	3	2	4	1
(b)	4	1	3	2
(c)	<u>3</u>	<u>1</u>	<u>4</u>	<u>2</u>
(d)	4	2	3	1



Dr. B. K. Dubey
Assistant Professor Geography

"G.S.अकादमी"

Committed To Your Success....

JOIN FREE LIVE CLASSES



उत्तर—(c)

 **YouTube**

@gsacademycivil

 +91-9473893577  +91-8052780047



Q-18

उत्तरी गोलार्द्धों में उष्ण-कटिबन्धीय चक्रवातों एवं मध्य अक्षांशीय चक्रवातों में समानता है कि दोनों—

- (a) उष्ण समुद्र पर उत्पन्न होते हैं
- (b) भू-पृष्ठ से बढ़ती ऊँचाई के साथ गहनता प्राप्त करते हैं
- (c) साधारणतः पूर्व से पश्चिम की तरफ प्रवाह करते हैं
- (d) केन्द्रों के इर्द-गिर्द वामावर्त दिशा में प्रवाहित होते हैं



Dr. B. K. Dubey
Assistant Professor Geography



उत्तर—(d)

➔ व्याख्या—उष्ण-कटिबन्धीय एवं शीतोष्ण-कटिबन्धीय चक्रवात दोनों में ही वायु की दिशा उत्तरी गोलार्द्ध में घड़ी की सुइयों की दिशा के विपरीत अर्थात् वामावर्त होती है।



Q-19

कथन (A) : दाब की प्रपाती प्रवणता सहित वायु के अति निम्न दाब वाले क्षेत्र में चक्रवात की उत्पत्ति होती है।

कारण (R) : वहाँ निम्नतर ऊँचाई पर सर्पिल वायु का बाह्य प्रवाह तथा अधिक ऊँचाई पर वायु का अन्तर्मुख प्रवाह होता है।

नीचे दिए गए कूटों की सहायता से सही उत्तर चुनिए—

(a) कथन A और कारण R दोनों सही हैं तथा R, A का सही स्पष्टीकरण है

(b) कथन A और कारण R दोनों सही हैं परन्तु R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है

(c) A सही है, परन्तु R गलत है

(d) A गलत है, परन्तु R सही है



Dr. B. K. Dubey
Assistant Professor Geography



Committed To Your Success....

... —(c)

→ व्याख्या—उष्ण चक्रवात में निम्नतर ऊँचाई पर सर्पिल वायु का अन्तः प्रवाह तथा अधिक ऊँचाई पर बाह्य प्रवाह होता है। अतः कारण (R) असत्य है।



Q-20

कथन (A) : ध्रुवीय क्षेत्रों में उच्च वायुमण्डलीय दाब पाया जाता है।

कारण (R) : इन क्षेत्रों में वर्ष भर न्यूनतम सूर्य प्रकाश मिलता है।

नीचे दिए गए कूटों की सहायता से सही उत्तर चुनिए

(a) कथन A और कारण R दोनों सही हैं तथा R, A का सही

स्पष्टीकरण है

(b) कथन A और कारण R दोनों सही हैं परन्तु R, A का सही

स्पष्टीकरण नहीं है

(c) A सही है, परन्तु R गलत है

(d) A गलत है, परन्तु R सही है



Dr. B. K. Dubey
Assistant Professor Geography



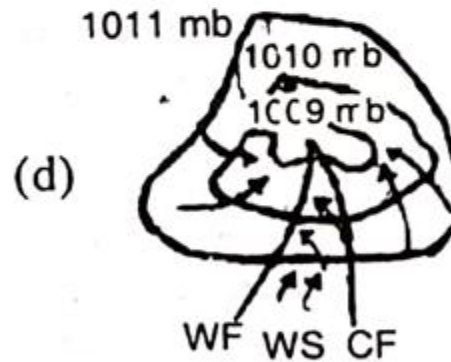
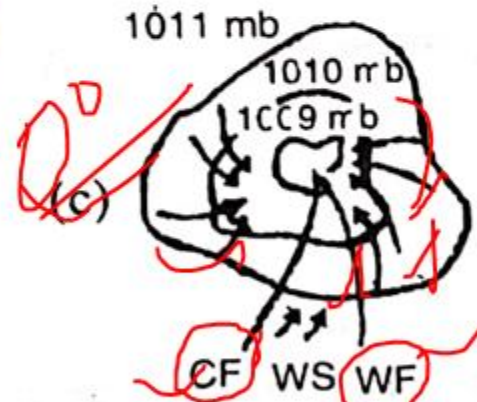
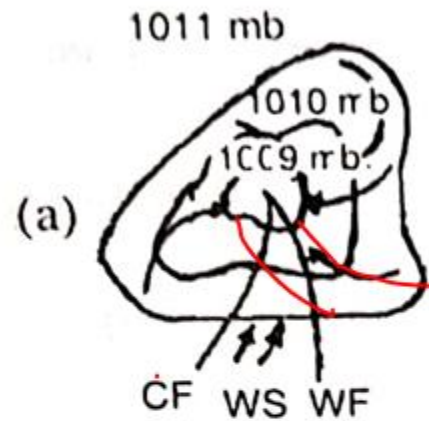
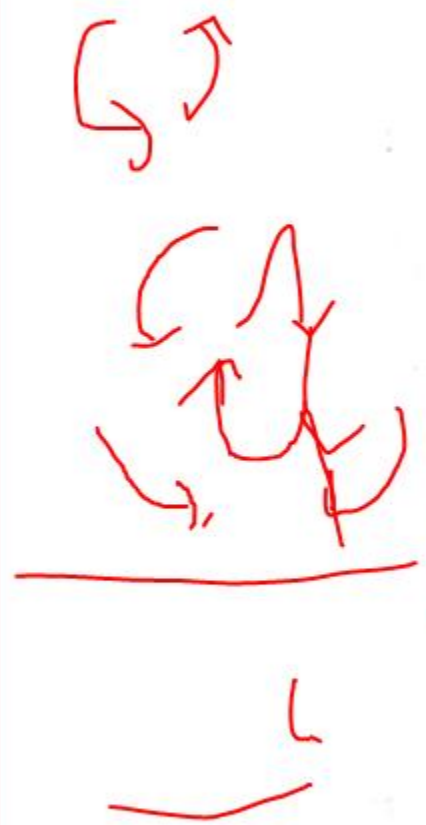
उत्तर—(a)

- ☞ व्याख्या—ध्रुवीय क्षेत्रों में साल भर सूर्य की किरणें तिरछी पड़ती हैं। इसके फलस्वरूप यहाँ न्यूनतम सूर्यताप के कारण कम तापमान एवं उच्च वायुदाब पाया जाता है।



Q-21

नीचे दिए गए निदर्श चित्रों में से कौन-सा उत्तरी गोलार्द्ध में औसत तापमान चक्रवात दर्शाता है ?



जहाँ CF शीत वाताय, WF उष्ण वाताय और WS उष्ण क्षेत्र दर्शाता है।



Dr. B. K. Dubey
Assistant Professor Geography



उत्तर—(b)

➔ व्याख्या—उत्तरी-गोलाब्ध में चक्रवात में वायु की दिशा घड़ी की सूइयों के विपरीत होती है एवं शीत वाताग्र (CF) उष्ण वाताग्र (WF) के पीछे रहता है।



Q-22

कथन (A) : दक्षिणी गोलार्द्ध में उत्तरी गोलार्द्ध की अपेक्षा तापमान बहुत कम पाया जाता है।

कारण (R) : दक्षिण में हिमाच्छादित अण्टार्कटिक महाद्वीप का वृहत् भूखण्ड शीत का एक प्रमुख स्रोत है।

नीचे दिए गए कूटों की सहायता से सही उत्तर चुनिए—

(a) कथन A और कारण R दोनों सही हैं तथा R, A का सही स्पष्टीकरण है

~~(b) कथन A और कारण R दोनों सही हैं परन्तु R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है~~

(c) A सही है, परन्तु R गलत है

(d) A गलत है, परन्तु R सही है



Dr. B. K. Dubey
Assistant Professor Geography

"G.S.अकादमी"

Committed To Your Success....

JOIN FREE **LIVE** CLASSES



उत्तर—(b)

 **YouTube**

@gsacademycivil

 +91-9473893577  +91-8052780047



Q-23

~~कथन (A)~~: पछुवा हवाएँ दक्षिणी गोलार्द्ध की अपेक्षा उत्तरी गोलार्द्ध में अधिक शक्तिशाली होती हैं।

कारण (R): उत्तरी गोलार्द्ध में दक्षिणी गोलार्द्ध की अपेक्षा स्थल क्षेत्र अधिक हैं।

नीचे दिए गए कूटों की सहायता से सही उत्तर चुनिए—

- (a) कथन A और कारण R दोनों सही हैं तथा R, A का सही स्पष्टीकरण है
- (b) कथन A और कारण R दोनों सही हैं परन्तु R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है
- (c) A सही है, परन्तु R गलत है
- ~~(d)~~ A गलत है, परन्तु R सही है



Dr. B. K. Dubey
Assistant Professor Geography



Committed To Your Success....

-(d)

➔ व्याख्या—दक्षिणी गोलार्द्ध में महासागरीय क्षेत्र की अधिकता के कारण पछुआ हवाएँ उत्तरी गोलार्द्ध की तुलना में अधिक शक्तिशाली होती हैं। अतः कथन (A) असत्य है।



Q-24

कथन (A) : वार्षिक ताप परिसर स्थल क्षेत्रों के ऊपर अपेक्षाकृत अधिक होता है।

कारण (R) : स्थल क्षेत्र जल निकायों की अपेक्षा शीघ्र गर्म और ठण्डे होते हैं।

नीचे दिए गए कूटों की सहायता से सही उत्तर चुनिए

- (a) A तथा R दोनों सही हैं और R, A का सही स्पष्टीकरण है
- (b) A तथा R दोनों सही हैं, परन्तु R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है
- (c) A सत्य है, किन्तु R असत्य है
- (d) A असत्य है, किन्तु R सत्य है



Dr. B. K. Dubey
Assistant Professor Geography



उत्तर—(a)

→ व्याख्या—जल की तुलना में स्थल की विशिष्ट उष्मा (Specific heat capacity) कम होती है। अतः स्थलखण्ड तेजी से गर्म एवं



Q-25

तापमान प्रतिलोमता के बनने के लिए निम्नलिखित परिस्थितियों पर विचार कीजिए—

1. मेघाच्छन्न आकाश

2. तेज हवाएँ

3. जाड़े की लम्बी रातें

4. ठण्डी सूखी हवा

उपरोक्त में से कौन-कौन-सी परिस्थितियाँ आदर्श हैं?

(a) 1, 2 तथा 3

(b) 1 तथा 2

(c) 2, 3 तथा 4

(d) 3 तथा 4

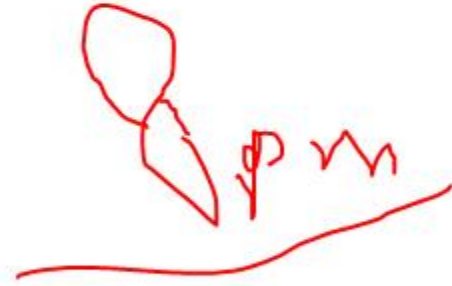


Dr. B. K. Dubey
Assistant Professor Geography



—(d)

→ व्याख्या—मेघ रहित आकाश, शान्त वायुमण्डल, शीतकालीन लम्बी-रातें एवं ठण्डी शुष्क पवन तापमान की विलोमता के लिए अनुकूल होती है।





Q-26

विकिरण ऊर्जा का वह प्रतिशत जो किसी पृष्ठ से परिवर्तित होता है, कहलाता है—

- (a) ऐल्बिडो
(c) सूर्यताप

- (b) ग्रीनहाउस प्रभाव
(d) अपवर्तन

35%



Dr. B. K. Dubey
Assistant Professor Geography



उत्तर—(a)

- ➔ व्याख्या—किसी भी सतह से विकिरण की गई ऊर्जा का परावर्तित भाग ऐल्बिडो (Albedo) कहलाता है। पृथ्वी की सतह का औसत ऐल्बिडो 24 से 34 प्रतिशत के बीच है।



Q-27

निम्नलिखित वक्तव्यों पर विचार कीजिए—

1. उच्च अक्षांशों में पश्चिमी-तटीय प्रदेशों की तुलना में पूर्वी-तटीय प्रदेश अधिक आर्द्र हैं।
 2. पवनाभिमुख ढलानों पर प्रचुर वर्षण होता है, किन्तु प्रतिपवनाभिमुख ढलानों पर विरल वर्षण होता है।
 3. उपोष्ण प्रदेशों में पूर्वी-तटीय प्रदेशों की तुलना में पश्चिमी तटीय प्रदेश अधिक आर्द्र हैं।
 4. मध्य अक्षांशों में प्रचुर वर्षण होता है
- उपरोक्त में से कौन-सा/से वक्तव्य सही है/हैं ?
- (a) 1, 2 और 3 (b) केवल 2
- (c) 2 तथा 4 (d) 3 तथा 4



Dr. B. K. Dubey
Assistant Professor Geography



उत्तर—(b)

➔ व्याख्या—उच्च अक्षांशों में पूर्वी तट की तुलना में पश्चिमी तट में अधिक वर्षा होती है। उपोष्ण प्रदेशों में महासागरों से आने वाली व्यापारिक पवन द्वारा पूर्वी तट पर पश्चिमी तट की तुलना में अधिक वर्षा होती है। मध्य अक्षांशों में 100 से 125 सेमी० वर्षा होती है।



Q-28

- पहले अनुसन्धान परियोजना कार्यक्रम को, जो एल-निनो दक्षिणी दोलन तथा इसकी भविष्य सूचकता पर केन्द्रित था, कहा जाता था—
- (a) जलवायु परिवर्तनशीलता तथा भविष्य सूचकता (CLIVAR)
 - (b) ग्लोबीय ऊर्जा तथा जल-चक्र प्रयोग (GEWEX)
 - (c) ग्लोबीय परिवर्तन तथा पार्थिव पारिस्थितिक तन्त्र (GCTE)
 - (d) उष्णकटिबन्धीय महासागर तथा ग्लोबीय वायुमण्डल (TOGA)



Dr. B. K. Dubey
Assistant Professor Geography

"G.S.अकादमी"

Committed To Your Success....

JOIN FREE **LIVE** CLASSES



स्तर—(d)



@gsacademycivil

+91-9473893577  +91-8052780047



Q-29

सिक्वांग के तारिम बेसिन में प्रारम्भिक बसन्त ऋतु में तीव्र ऊष्मा धाराएँ अनुभव की जाती हैं, जिनसे असुविधा होती है इस पवन का लोक प्रचलित नाम है—

- (a) काराबुरान
- (b) केटाबेटिक
- (c) चिनूक
- (d) फॉन



Dr. B. K. Dubey
Assistant Professor Geography



उत्तर—(a)

- ➔ व्याख्या—मध्य एशिया के तारिम बेसिन में चलने वाली धूल से भरी गर्म स्थानीय वायु काराबुरान के नाम से जानी जाती है। मध्य एशिया के लोएस का निर्माण इसी वायु के द्वारा लाए गए धूल कणों से हुआ है।



Q-30

च्युति दर के विषय में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

1. एक असंतृप्त वायु संहति जब वातावरण में ऊपर उठती है तो शुष्क रुद्धोष्म च्युति दर पर उण्डी होती है।
2. शुष्क रुद्धोष्म च्युति दर 1°C प्रति 100 मीटर होती है।
3. आर्द्र रुद्धोष्म च्युति दर प्रति 100 मीटर पर 0.4°C और 0.9°C के बीच परिवर्तित हो सकती है।
4. शुष्क रुद्धोष्म च्युति दर संघनन की गुप्त ऊष्मा के निर्मुक्त होने के कारण अपेक्षाकृत उच्च हो सकती है।

उपरोक्त कथनों में से कौन-कौन-से सही हैं ?

(a) 1, 2 और 4

(b) 1, 3, और 4

(c) 2, 3 और 4

(d) 1, 2 और 3



Dr. B. K. Dubey
Assistant Professor Geography



उत्तर—(d)

☞ व्याख्या—शुष्क रुद्धोष्म च्युति दर संघनन की गुप्त ऊष्मा के निर्मुक्त होने के कारण कम हो जाती है। शेष सभी कथन सत्य हैं।



Q-31

उस जलवायु प्रकार को पहचानिए जिसमें ग्रीष्म ऋतु शीतल (10°C से 15°C) तथा जाड़े की ऋतु शीत (10°C से 5°C) हो तथा साल भर वर्षा हो एवं कोई शुष्क ऋतु न हो—

(a) Df ✓

(b) Cw

(c) Cs ✗

(d) Cf ✓

⇒



Dr. B. K. Dubey
Assistant Professor Geography



उत्तर—(d)

➔ व्याख्या—(Cf) जलवायु का तात्पर्य पश्चिमी यूरोपीय तुल्य जलवायु से है। यह जलवायु दोनों गोलार्द्धों में 45° से 60° अक्षांश के बीच महाद्वीपों के पश्चिमी तट पर पायी जाती है।



Q-32

कथन (A) : उष्ण मरुस्थल निरपवाद रूप से व्यापारिक पवन की पट्टियों में महाद्वीपों के पश्चिम की तरफ पाए जाते हैं।

कारण (R) : उष्णकटिबन्धीय पट्टियों में जहाँ व्यापारिक पवन चलती है, वर्षा करने वाली आर्द्रतायुक्त हवाओं को रोकने हेतु पश्चिमी की तरफ वस्तुतः उच्चस्थल नहीं है।

- (a) कथन A कारण R सही हैं तथा R, A का सही स्पष्टीकरण है
(b) कथन A कारण R सही हैं, परन्तु R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है
(c) A सत्य है, किन्तु R असत्य है
(d) A असत्य है, किन्तु R सत्य है



Dr. B. K. Dubey
Assistant Professor Geography



उत्तर—(b)

➔ व्याख्या—उष्ण मरुस्थलों के व्यापारिक पवन की पट्टियों में महाद्वीपों के पश्चिम की ओर पाए जाने के प्रमुख कारण हैं—

(i) तट के निकट ठण्डी महासागरीय जलधाराएँ

(ii) तट से महासागर की ओर (Off-shore) वायु का चलना।





Q-33

तड़ित झन्झा उत्पन्न होते हैं—

(a) वर्षास्तरी मेघों से

(b) मध्यकपासी मेघों से

(c) स्तरी मेघों से

(d) कपासीवर्षी मेघों से



Dr. B. K. Dubey
Assistant Professor Geography



उत्तर—(d)

➔ व्याख्या—मूसलाधार वर्षा, ओला एवं तड़ित झन्झा कपासी-वर्षी मेघों की प्रमुख विशेषताएँ हैं।



Q-34

निम्नलिखित में से कौन-सी एक वर्षण दशा वाताग्री वर्षा प्रकार का विशिष्ट लक्षण नहीं है ?

(a) अवनयन के मार्ग में, मार्ग की ओर अभिमुख कटिबन्धों में, वर्षण होता है

(b) यह मध्य और उच्च अक्षांशों में होता है

(c) यह अवगमन के ऊष्ण वाताग्र से होने वाली दीर्घ फुहार वर्षा के कारण चक्रवाती वर्षा से भिन्न है

(d) लम्बी अवधि की वर्षा वाला वृष्टि प्रस्फोट शीतवाताग्र के चक्रवाती मार्ग से संलग्न होता है



Dr. B. K. Dubey
Assistant Professor Geography



—(d)

➔ व्याख्या—उष्ण वाताग्र में वर्षा लम्बे समय तक एवं फुहारों के रूप में होती है। शीत वाताग्र में वर्षा मूसलाधार एवं अल्पकालिक होती है।





Q-35

निम्नलिखित युग्मों में से कौन-सा एक सही सुमेलित है ?

- | | | |
|--------|---|-----------------------|
| (a) Cs | — | भूमध्यसागरीय |
| (b) Am | — | उत्तर-पश्चिमी यूरोप |
| (c) Dw | — | उष्ण कटिबन्धीय मानसून |
| (d) ET | — | साइबेरिया |



Dr. B. K. Dubey
Assistant Professor Geography



उत्तर—(a)

→ व्याख्या—

Cs — भूमध्यसागरीय जलवायु

Am — उष्ण मानसूनी जलवायु

Dw — टैगा जलवायु

ET — टुण्ड्रा जलवायु

30°-40°

Am



Q-36

कथन (A) : विषुवत् रेखा के निकट के समुद्र वर्षभर वर्षा प्राप्त करते हैं।

कारण (R) : विषुवत् रेखा के निकट उच्च तापमान और उच्च आर्द्रता अपराह्न में संवहनी वर्षा उत्पन्न करती है।

कूट :

- (a) कथन A कारण R सही हैं तथा R, A का सही स्पष्टीकरण है
- (b) कथन A कारण R सही हैं, परन्तु R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है
- (c) A सत्य है, किन्तु R असत्य है
- (d) A असत्य है, किन्तु R सत्य है



Dr. B. K. Dubey
Assistant Professor Geography



उत्तर—(a)

→ व्याख्या—विषुवतीय प्रदेश में उच्च तापमान एवं अधिक आर्द्रता के कारण वर्षभर अपराह्न में संवहनीय वर्षा होती है।



Q-37

समुद्री तट पर किसी उष्ण कटिबन्धीय चक्रवात के गुजरने के दौरान निम्नलिखित वायुमण्डलीय दशाएँ देखी जाती हैं ?

1. झोंकेदार पवनों के साथ मूसलाधार वर्षा
2. गहरे बादलों के साथ वायुदाब का गिरना
3. पूर्णतः शान्त और साफ आकाश

इन दशाओं के घटने का सही क्रम है—

- | | |
|-------------|-------------|
| (a) 2, 1, 3 | (b) 1, 2, 3 |
| (c) 3, 2, 1 | (d) 2, 3, 1 |



Dr. B. K. Dubey
Assistant Professor Geography



उत्तर—(a)

➔ व्याख्या—उष्ण कटिबन्धीय चक्रवात के आगमन के पूर्व वायुदाब कम होने लगता है तथा आकाश में गहरे कपासी वर्षा मेघ प्रकट होने लगते हैं। चक्रवात के आगमन के साथ ही झोंकेदार पवनों के साथ मूसलाधार वर्षा होने लगती है। चक्रवात के गुजर जाने के पश्चात् आकाश साफ एवं मौसम शान्त हो जाता है।



Q-38

कथन (A) : विषुवतीय प्रदेश मन्द विकास का क्षेत्र है।

कारण (R) : यहाँ चरम जलवायु दशाएँ प्रवर्तमान होती हैं।

कूट :

- (a) कथन A कारण R सही हैं तथा R, A का सही स्पष्टीकरण है
- (b) कथन A कारण R सही हैं, परन्तु R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है
- (c) A सत्य है, किन्तु R असत्य है
- (d) A असत्य है, किन्तु R सत्य है



Dr. B. K. Dubey
Assistant Professor Geography



उत्तर—(c)

- ⇒ व्याख्या—कारण (R) असत्य है। विषुवतीय प्रदेश की जलवायु सम (Uniform) होती है। इस प्रदेश में तापमान एवं वर्षा में उतार-चढ़ाव काफी-कम होता है।



Q-39

संतृप्त वायु में वायु-कॉलम में स्थिर साम्यावस्था की प्रवृत्ति होती है,
जब प्रवर्तमान हास दर—

- (a) आर्द्र रुद्धोष्म हास दर के बराबर हो
- (b) आर्द्र रुद्धोष्म हास दर से अधिक हो
- (c) आर्द्र रुद्धोष्म हास दर से कम हो
- (d) आर्द्र रुद्धोष्म हास दर के साथ नहीं बदलती



Dr. B. K. Dubey
Assistant Professor Geography



उत्तर—(c)

→ व्याख्या—वायु की स्थिरता अथवा अस्थिरता 'सामान्य ताप पतन दर' तथा एडियाबेटिक ताप पतन दर के सम्बन्धों पर आधारित होती है। एडियाबेटिक दर सदैव समान रहती है, जबकि सामान्य ताप दर बदलती रहती है। सामान्य ताप पतन दर (Normal Lapse Rate) के कम होने पर वायु ठण्डी होकर नीचे बैठती है, तथा वह स्थिर होती है।



Q-40

कथन (A) : विश्व के पवन तन्त्र को ध्यान में रखते हुए, पछुवा पवनें सामान्य रूप से 40° से 60° अक्षांशों के बीच चलती हैं। *सही*
कारण (R) : उपोष्ण कटिबन्धीय उच्च दाब की कोशिकाओं से शीतोष्ण मण्डल के निम्न दाब की ओर वायु प्रवाह होने के फलस्वरूप मध्य अक्षांशीय भू-मण्डलीय पवन तन्त्र संग्राहक का निर्माण होता है।

कूट :

- (a) A और R दोनों सही हैं और R, A का सही स्पष्टीकरण है
- (b) A और R दोनों सही हैं, परन्तु R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है
- (c) A सही है, परन्तु R गलत है
- (d) A गलत है, परन्तु R सही है

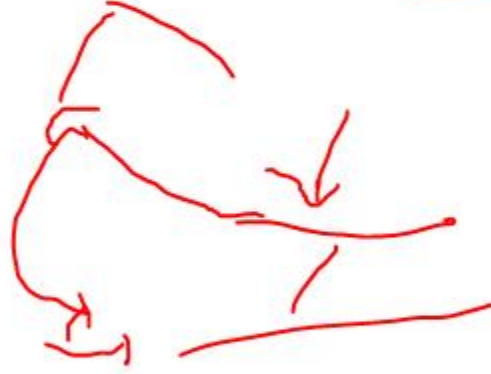


Dr. B. K. Dubey
Assistant Professor Geography



उत्तर—(a)

☉ व्याख्या—~~भू-मण्डलीय पवन तन्त्र के रूप में पछुवा पवन~~
~~उपोष्ण उच्च दाब से शीतोष्ण दाब की ओर 40° से 60° अक्षांश~~
के बीच प्रवाहित होती है।





Q-41

- क्षोभमण्डल में तापमान की सामान्य हास दर 1°C है प्रत्येक—
- (a) 146 मीटर हेतु (b) 156 मीटर हेतु
(c) 166 मीटर हेतु (d) 176 मीटर हेतु



Dr. B. K. Dubey
Assistant Professor Geography



उत्तर—(c)

➔ व्याख्या—वायुमण्डल भौतिक विकिरण द्वारा नीचे से ऊपर की ओर गर्म होता है। अतः क्षोभमण्डल में ऊँचाई के साथ तापमान में कमी ($1^{\circ}\text{C}/165$ मीटर की दर से) आती है।



Q-42

शीतकालीन विश्वव्यापी जेट प्रवाह जो क्षोभमण्डल के ऊपर अति तीव्र समतापमण्डलीय ताप प्रवणता के कारण उत्पन्न होता है, उसका नाम है—

- (a) आर्कटिक जेट प्रवाह (b) उप-ध्रुवीय जेट प्रवाह
(c) ध्रुवीय-रात्रि जेट प्रवाह (d) उपोष्ण जेट प्रवाह



Dr. B. K. Dubey
Assistant Professor Geography



उत्तर—(c)

☞ व्याख्या—ध्रुवीय रात्रि जेट स्ट्रीम का निर्माण सागर तल से 30 किमी० की ऊँचाई पर समतापमण्डल में तीव्र ताप प्रवणता के कारण ~~शीतकाल~~ में होता है।



Q-43

निम्नांकित में से कौन-से युग्म सही सुमेलित हैं ?

1. उत्तर-पश्चिमी भारत में शीतकालीन वर्षा—पश्चिमी विक्षोभ
 2. मालाबार तट में ग्रीष्मकालीन वर्षा—लौटते मानसून +
 3. बंगाल बेसिन में ग्रीष्मकालीन वर्षा—नॉर्वेस्टर ✓
 4. तमिलनाडु तट में शीतकालीन वर्षा—उत्तर पूर्वी मानसून
- नीचे दिए हुए कूट की सहायता से सही उत्तर चुनिए—
- | | |
|------------------|----------------|
| (a) 1, 2, 3 और 4 | ✓(b) 1, 3 और 4 |
| (c) 3 और 4 | (d) 1 और 2 |



Dr. B. K. Dubey
Assistant Professor Geography



उत्तर—(b)

➔ व्याख्या—मालाबार तट में ग्रीष्मकाल में वर्षा दक्षिण-पश्चिमी मानसून से होती है, न कि लौटते मानसून से। शेष सभी सुमेलित हैं।



Q-44

कथन (A) : उष्ण कटिबन्धीय चक्रवात तापजनित होते हैं।

कारण (R) : उष्ण कटिबन्धीय चक्रवात कोरिऑलिस बल द्वारा विकसित होते हैं।

कूट :

- (a) A और R दोनों सही हैं, और R, A का सही स्पष्टीकरण है
- (b) A और R दोनों सही हैं, परन्तु R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है
- (c) A सही है, परन्तु R गलत है
- (d) A गलत है, परन्तु R सही है



Dr. B. K. Dubey
Assistant Professor Geography



उत्तर—(b)

⇒ व्याख्या—दोनों कथन सत्य हैं, परन्तु R, A की व्याख्या नहीं करता है। कोरिऑलिस बल पृथ्वी की घूर्णन गति के कारण उत्पन्न होता है।





Q-45

सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सूची के नीचे दिए हुए कूटों का प्रयोग करके सही उत्तर चुनिए—

सूची-I

- A. ओजोन छिद्र
- B. ग्रीनहाउस प्रभाव
- C. भूमण्डलीय तापन
- D. एल्बिडो

सूची-II

1. वायुमण्डल के निर्गमनी एवं आगामी दीर्घतरंग विकिरण में अन्तर
2. ओजोन के विनाश में त्वरण
3. कार्बन डाइ-ऑक्साइड स्तर में वृद्धि
4. परावर्तित विकिरण और प्राप्त विकिरण का अनुपात

कूट :

	A	B	C	D
(a)	2	1	3	4
(b)	4	1	2	3
(c)	3	2	1	4
(d)	2	3	4	1



Dr. B. K. Dubey
Assistant Professor Geography



उत्तर—(a)

→ व्याख्या—सी० एफ० सी० जैसी गैसों द्वारा ओजोन के विनाश के कारण ओजोन मण्डल के छिद्र का निर्माण हो रहा है। कार्बन डाइ-ऑक्साइड गैस की मात्रा में वृद्धि के कारण भू-मण्डलीय तापन की समस्या उत्पन्न हो रही है। किसी पदार्थ द्वारा सूर्य से प्राप्त विकिरण एवं परावर्तित विकिरण का अनुपात एल्बिडो कहलाता है।



Q-46

सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सूची के नाच दिए हुए कूटों का प्रयोग करके सही उत्तर चुनिए—

सूची-I

सूची-II

A. वाष्पीकरण

1. नमी मुक्ति

B. संघनन

2. गर्म हवा में शीत हवा का आ जाना

C. वर्षण

3. जलवाष्प का जल में परिवर्तन होना

D. सूर्यातप

4. ताप की प्राप्ति

5. आगामिक सौर विकिरण

कूट :

	A	B	C	D
(a)	5	3	1	2
(b)	4	1	5	3
(c)	2	4	3	5
(d)	4	3	1	5



Dr. B. K. Dubey
Assistant Professor Geography



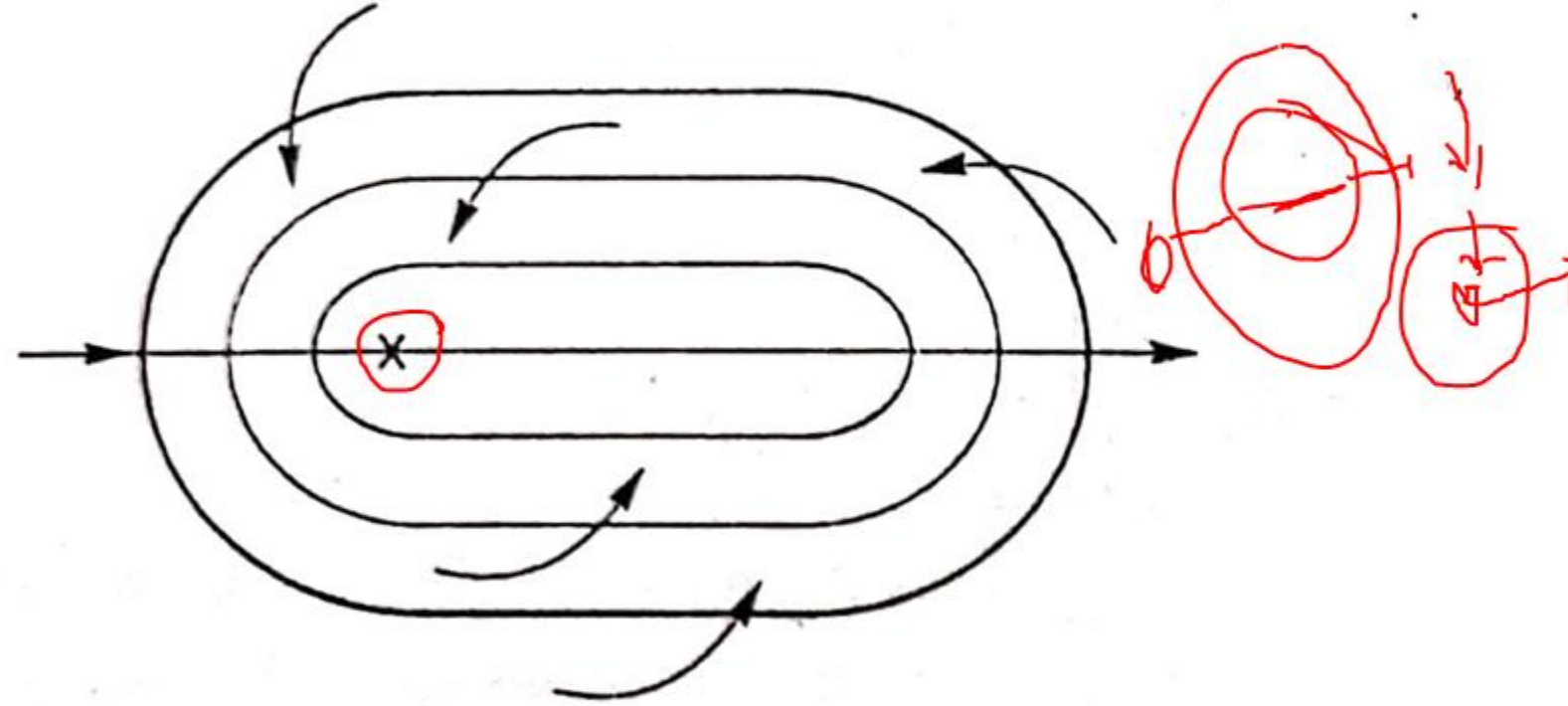
उत्तर—(d)

⇒ व्याख्या—वाष्पीकरण की प्रक्रिया में जल ताप ग्रहण कर जलवाष्प में परिवर्तित होता है। संघनन द्वारा जलवाष्प जल में परिवर्तित हो जाती है। वर्षण की प्रक्रिया में नमी मुक्त होती है। पृथ्वी की ओर आने वाला सौर विकिरण सूर्यातप कहलाता है।



Q-47

दिए गए चित्र में उष्णकटिबन्धीय चक्रवात के रेखाचित्र में 'X' द्वारा अंकित क्षेत्र की विशेषता है—



- (a) वर्षा ✓
- (c) बादल ✓

- ~~(b) स्वच्छ आकाश~~
- ~~(d) मलिन आकाश~~



Dr. B. K. Dubey
Assistant Professor Geography



उत्तर—(b)

☉ व्याख्या—उष्णकटिबन्धीय चक्रवात के केन्द्र में चक्रवात का चक्षु स्थित होता है। यहाँ वायु के अवतलन के कारण आकाश मेघरहित होता है एवं वर्षा का अभाव होता है। ✓



Q-48

निम्नलिखित युग्मों में से कौन-से सही सुमेलित हैं?

1. Cwa — गर्म ग्रीष्म, शुष्क शीत
2. Cwb — गर्म, शुष्क ग्रीष्म
3. Csb — कोष्ण, शुष्क ग्रीष्म
4. Cfb — कोष्ण ग्रीष्म

कूट :

(a) 1, 2, 3 एवं 4

(b) 1, 3 एवं 4

(c) 1 एवं 4

(d) 2 एवं 3



Dr. B. K. Dubey
Assistant Professor Geography



उत्तर—(b)

⇒ व्याख्या—Cwa—[↑]गर्म ग्रीष्म, शुष्क शीत, Csb—कोष्ण, शुष्क
ग्रीष्म, Cfb—कोष्ण ग्रीष्म, Cwb—कोण, शुष्क शीत



Q-49

- . कोपेन का Amw जलवायु प्रकार मिलता है—
- (a) भारत के आन्तरिक प्रायद्वीपीय भाग में
 - (b) भारत के कोरोमण्डल तट पर
 - (c) गोवा के दक्षिण में स्थित भारत के पश्चिमी तट पर
 - (d) कलकत्ता के दक्षिण में स्थित भारत के पूर्वी तट पर



Dr. B. K. Dubey
Assistant Professor Geography



उत्तर—(c)

- ➔ व्याख्या—कोपेन की Amw जलवायु गोवा के दक्षिण स्थित पश्चिमी तट, उत्तर-पूर्वी भारत के कुछ भाग तथा अण्डमान एवं निकोबार द्वीप समूह में पाई जाती है। कम तापान्तर अधिक वर्षा (7300 सेमी०) एवं सदाबहार वनस्पति इस जलवायु प्रदेश की प्रमुख विशेषताएँ हैं।



Q-50

कालाहारी के मरुस्थल होने का मुख्य कारण है—

- (a) तट के समीप ठण्डी धाराएँ
- (b) उष्ण कटिबन्ध में पश्चिमी तट के समीप इसकी स्थिति
- (c) उष्ण कटिबन्ध में इसकी उपस्थिति
- (d) वह कि इसके लोग आदिम हैं



Dr. B. K. Dubey
Assistant Professor Geography



उत्तर—(b)

➔ व्याख्या—कालाहारी मरुस्थल अफ्रीका के आन्तरिक भाग में स्थित है। महासागर से आने वाली दक्षिण-पूर्वी व्यापारिक पवनें जैसे-जैसे आन्तरिक क्षेत्र में पहुँचती हैं, उनमें आर्द्रता कम होती जाती है।



Q-51

थॉर्नथ्वेट के जलवायु वर्गीकरण में लगभग समूचा उड़ीसा राज्य आता है—

- (a) शुष्क उपाद्र्व वर्ग में
(c) अर्द्धशुष्क वर्ग में

- (b) नम उपाद्र्व वर्ग में
(d) आद्र्व वर्ग में



Dr. B. K. Dubey
Assistant Professor Geography



—(b)

→ व्याख्या—थार्नथ्वेट के जलवायु वर्गीकरण के अनुसार उड़ीसा, पश्चिम बंगाल, पूर्वी-बिहार, पश्चिमी घाट का पूर्वी ढाल आदि नम उपार्द्र (C₂) जलवायु वर्ग में आते हैं।



Dr. B. K. Dubey
Assistant Professor Geography

"G.S. अकादमी"

Committed To Your Success....

JOIN FREE **LIVE** CLASSES



Committed To Your Success....

THANK YOU

CONTACT US

9473893577

www.gsacademycivil.com



1
1
1



@gsacademycivil

+91-9473893577  +91-8052780047